सितम्बर या अक्टूबर में खरीद बिक्री पर झांसी में होगी बैठक

उपज को सरकार मुहैया कराएगी विदेशी बाजार

अच्छी खबर

झांसी,संवाददाता। बहुत जल्द बुन्देलखंड की कृषि उपज को विदेशी बाजार मिलेगा। जहां उनका उत्पाद पहुंचेगा। यह प्रयास प्रदेश सरकार का होगा। किसानों की इससे कई तरह की उम्मीदें बढ़ेगी।

बुंदेलखंड के कृषि उत्पादों को विदेशी बाजार उपलब्ध कराने के मकसद से प्रदेश सरकार कई अनूठे कदम उठा रही है। झांसी में तुलसी, मूंगफली और मटर के निर्यात आधारित कलस्टर के गठन को मंजूरी देने के बाद अब झांसी में बायर-सेलर मीट के आयोजन की तैयारी चल रही है। इसका मकसद एफपीओ, किसानों, निर्यातकों और सरकारी विभागों को एक मंच पर लाना है, जिसके माध्यम से कृषि उत्पादों के निर्यात के संबंध में सभी स्टेकहोल्डर एक दूसरे की आवश्यकताओं से परिचित हो सकें।

उत्तर प्रदेश सरकार के कृषि विपणन विभाग की कवायद है कि झांसी में सितम्बर या अक्टूबर महीने में निर्यात आधारित बायर-सेलर मीट का आयोजन हो। झांसी के मटर, मूंगफली, तुलसी समेत कई अन्य उपजों की विदेशों में काफी मांग है और कृषक भी इसके उत्पादन में दिलचस्पी ले रहे हैं। निर्यात आधारित कलस्टर गठन के लिए एफपीओ के आवेदन भी सामने आए हैं। किसानों को उत्पादों की बेहतर कीमत दिलाने और उनकी आमदनी को बेहतर करने का कारगर तरीका है कि निर्यात आधारित उत्पादों को बेहतर बाजार उपलब्ध कराया जाए। बायर—सेलर मीट में निर्यात से जुड़ी बारीकियों पर चर्चा के साथ ही किसान, एफपीओ, एक्सपोर्टर और विभाग पूरी प्रक्रियाओं के बारे में जानकारी साझा करने के साथ ही रणनीति भी तैयार करेंगे। कृषि विपणन विभाग के विपणन निरीक्षक प्रखर कुमार ने बताया कि झांसी में तुलसी, मूंगफली और मटर के निर्यात आधारित कलस्टर के गठन मंजूरी मिल चुकी है और कई एफपीओ के आवेदन भी आए हैं। किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य मिल सके और उसके निर्यात की बेहतर संभावना बन सके, इस मकसद के साथ विभाग सितम्बर या अक्टूबर महीने में एक बायर-सेलर मीट के आयोजन की तैयारी कर रहा है।